GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 26.09.2020

PUNJAB KESARI

प. दीनदयाल उपाध्याय संदर्भ अनुभाग किया स्थापित

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन दर्शन और रचनाओं का संदर्भ अनुभाग में किया जाएगा संग्रह

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। (छाया: एस शर्मा)

फरीदाबाद, 25 सितम्बर (पूजा शर्मा): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के केन्द्रीय पुरस्तकालय में अंत्योदय व एकात्म मानववाद जैसी प्रगतिशील विचारधारा के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके जीवन दर्शन और रचनाओं का एक संदर्भ अनुभाग स्थापित किया है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय केन्द्रीय पुस्तकालय में संदर्भ अनुभाग का शुभारंभ किया तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी 104वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के डीन एवं पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. आशुतोष दीक्षित, लाइब्रेरियन डॉ. पीएन बाजपेयी तथा निदेशक, युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी भी उपस्थित रहे तथा पंडित उपाध्याय को श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों की रक्षा व संरक्षण के लिए जीवन पर्यन्त संघर्ष किया और उनका संपूर्ण जीवन वंचित वर्गों के उत्थान तथा देश की अखण्डता को बनाये रखने के लिए समर्पित रहा। लाइब्रेरियन डॉ. पीएन बाजपेयी ने बताया कि विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय का नामकरण भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर किया गया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक प्रखर विचारक और प्रबुद्ध साहित्यकार थे, जिन्होंने अपने जीवनकाल में अनेक लेख एवं पुस्तकों की रचनाएं की। उनके जीवन दर्शन पर स्थापित संदर्भ अनुभाग में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मूल रचनाओं की प्रतियों के अलावा अन्य लेखकों द्वारा उनके जीवन दर्शन पर लिखी गई पुस्तकों तथा प्रेरक कहानियों को सम्मिलित किया जाएगा।

विदेशी विद्यार्थी 15 अक्तूबर तक कर सकते हैं आवेदन

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए विदेशी राष्ट्र की श्रेणी में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को 15 अक्तूबर तक बढ़ाने का निर्णय किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए अंतर्राष्ट्रीय मामलों की निदेशक डॉ. शिल्पा सेठी ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विदेशी राष्ट्र के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान, इंजीनियरिंग, पत्रकारिता और प्रबंधन के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले की पेशकश की गई है, जिसके लिए इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन कर सकते है तथा प्रोस्पेक्टस प्राप्त कर सकते है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat,26 September 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 3

NEWS CLIPPING: 26.09.2020

THE PIONEER

स्थापित किया पंडित दीनदयाल उपाध्याय संदर्भ अनुभाग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुरस्तकालय में अंत्योदय व एकात्म मानववाद जैसी प्रगतिशील विचारधारा के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके जीवन दर्शन और रचनाओं का एक संदर्भ अनुभाग स्थापित किया है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय केन्द्रीय पुस्तकालय में संदर्भ अनुभाग का शुभारंभ किया तथा पंडित

दीनदयाल उपाध्याय को उनकी 104वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के डीन एवं पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. आशुतोष दीक्षित, लाइब्रेरियन युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी भी उपस्थित रहे तथा पंडित उपाध्याय को श्रद्धासुमन अर्पित किये।

NEWS CLIPPING: 26.09.2020

THE TRIBUNE

VARSITY PAYS TRIBUTE TO PT UPADHYAYA

Faridabad: The JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has set up a reference section in the Central library on the ideology and philosophy of Pandit Deendayal Upadhyaya. Vice-Chancellor Dinesh Kumar today inaugurated the reference section in the library to mark the 104th birth anniversary of Pandit Deendayal Upadhyay, and paid floral tribute at the portrait of Pandit Upadhyaya. Dean of Faculty of Sciences and chairman of the library Prof Ashutosh Dixit, librarian PN Bajpai and Director, Youth Welfare, Dr Pradeep Dimri also paid homage to Pandit Deendayal Upadhyaya. The V-C said Pandit Upadhyaya had dedicated his life to uplift the deprived sections of society. His life and contributions were a source of inspiration for the present generation, he added. Librarian PN Bajpai said the library had also been named after Pandit Deendayal.

The Tribune Sat, 26 September 2020
https://epaper.tribune

NEWS CLIPPING: 26.09.2020

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी में स्थापित किया गया स्टेशन

जेसी बोस यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी में हुआ शुभारंभ

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके जीवन दर्शन व रचनाओं का एक स्टेशन स्थापित किया गया। शुक्रवार को कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय केन्द्रीय पुस्तकालय में स्टेशन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के डीन व पुस्तकालय अध्यक्ष प्रफेसर आशुतोष दीक्षित, लाइब्रेरियन डॉ पीएन बाजपेयी, निदेशक युवा कल्याण डॉ प्रदीप डिमरी भी उपस्थित रहे।

प्रफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति, मूल्यों की रक्षा व संरक्षण के लिए जीवन भर संघर्ष किया। उनका संपूर्ण जीवन वंचित वर्गों के उत्थान व देश की अखंडता को बनाए रखने के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय व उनके जीवन आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए। डॉ. पी. एन. बाजपेयी ने बताया कि यूनिवर्सिटी के केन्द्रीय पुस्तकालय का नामकरण भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर किया है। इसमें उनकी मूल रचनाओं की प्रतियों के अलावा अन्य लेखकों द्वारा उनके जीवन दर्शन पर लिखी गई पुस्तकों और प्रेरक कहानियों को सम्मिलित किया जाएगा। पुस्तकालय में स्थापित स्टेशन में ऐसे 15 पुस्तक खंडों को संग्रहित किया गया है।

NEWS CLIPPING: 26.09.2020

HINDUSTAN

पं. दीनदयाल की रचनाएं सहेजी गईं

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी वशि्ववद्यिालय, वाईएमसीए के केन्द्रीय पुरस्तकालय में शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके जीवन दर्शन और रचनाओं का एक संदर्भ अनुभाग स्थापित किया है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने इसका शुभारंभ किया और उनकी 104वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर विज्ञान संकाय के डीन एवं पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. आशुतोष दीक्षित, लाइब्रेरियन डॉ. पीएन बाजपेयी तथा निदेशक, युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी भी उपस्थित रहे। प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों की रक्षा व संरक्षण के लिए जीवन पर्यन्त संघर्ष किया और उनका जीवन देश की अखण्डता को बनाये रखने के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को पंडित उपाध्याय के जीवन आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

लाइब्रेरियन बाजपेयी ने बताया कि विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय का नामकरण भी पंडित उपाध्याय के नाम पर किया गया है। उनके जीवन दर्शन पर स्थापित संदर्भ अनुभाग में पंडित उपाध्याय की मूल रचनाओं की प्रतियों के साथ ही अन्य लेखकों द्वारा उनके जीवन दर्शन पर लिखी गई पुस्तकों तथा प्रेरक कहानियों को सम्मिलित किया जाएगा।

NEWS CLIPPING: 26.09.2020

AMAR UJALA

जेसी बोस विवि में विदेशी छात्र 15 अक्तूबर तक कर सकते हैं आवेदन

A.U. 26.09.2020

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए विदेशी राष्ट्र की श्रेणी में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को 15 अक्तूबर, 2020 तक बढ़ा दिया है। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट jcboseust.ac.in/foreign-students पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मामलों की निदेशक डॉ. शिल्पा सेठी ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विदेशी विद्यार्थियों के लिए विज्ञान, इंजीनियरिंग, पत्रकारिता और प्रबंधन के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले की पेशकश की गई है। भारत के अलावा किसी अन्य देश का वैध पासपोर्ट और नागरिकता रखने वाला अभ्यर्थी, ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया, पर्सन ऑफ इंडियन ऑरिजन के साथ ही खाड़ी देशों में भारतीय श्रमिकों के बच्चे दाखिले के लिए पात्र हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि एआईसीटीई के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रवासी भारतीय और ऐसे भारतीय नागरिक जिन्होंने योग्यता परीक्षा किसी अंतरराष्ट्रीय बोर्ड या विदेशी विश्वविद्यालय से की है, वह विदेशी राष्ट्र की श्रेणी के अंतर्गत दाखिले के पात्र नहीं हैं। ब्यूरो

विज्ञान, इंजीनियरिंग, पत्रकारिता और प्रबंधन के पाठ्यक्रमों में ले सकते हैं दाखिले

NEWS CLIPPING: 26.09.2020

DAINIK BHASKAR

पंडित दीनदयाल का जीवन और आदर्श युवाओं के लिए प्रेरणाः प्रो. दिनेश

फरीदाबाद| जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके जीवन दर्शन और रचनाओं का एक संदर्भ अनुभाग स्थापित किया गया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने इसका शुभारंभ किया। इस दौरान प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों की रक्षा व संरक्षण के लिए जीवन पर्यन्त संघर्ष किया और उनका संपूर्ण जीवन वंचित वर्गों के उत्थान तथा देश की अखण्डता को बनाए रखने के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा युवा पीढ़ी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय और उनके जीवन आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए।